हिमाचल अभी अभी

ABHI ABHI

/himachal.abhiabhi @himachal_abhi

नई सोच नई खोज

साप्ताहिक

कंगना की स्क्रिप्ट बीजेपी की, डॉयरेक्शन जयराम का -पढ़ें पेज 2 पर

RNI No. HPHIN/2015/68432 वर्ष 10 अंक 01 कांगड़ा। शनिवार, 04 मई-10 मई, 2024 www.himachalabhiabhi.com तदनुसार 22 वैशाख, विक्रमी संवत् 2081 कुल पृष्ठ 12 मूल्य ₹5 | Postal Regn.No. DGPUR/26/24-26

अक्षय तृतीया

अक्षय तृतीया का पर्व इस बार 10 मई दिन शुक्रवार को मनाया जाएगा, यह पर्व हर वर्ष वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन किए गए शुभ व धार्मिक कार्यों का अक्षय फल मिलता है। साथ ही इस दिन शुभ व मांगलिक कार्य करने के लिए पंचांग देखने की जरूरत नहीं है। अक्षय तृतीया पर इस बार गजकेसरी योग, रवि योग समेत कई शुभ फलदायी योग बन रहे हैं, जिससे इस दिन का महत्व भी बढ़ गया है। अक्षय तृतीया पर वैसे तो कई शुभ कार्य किए जाते हैं लेकिन कुछ ऐसे कार्य हैं, जिनको हर व्यक्ति को करना चाहिए। ऐसा करने से जीवन में मंगल ही मंगल और सुख-शांति बनी रहती है और पूरे साल धन-धान्य की कोई कमी नहीं होती है।

अक्षय तृतीया पर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की विधिवत रूप से पूजा-अर्चना करनी चाहिए। इस दिन पीले वस्त्र पहनकर भगवान विष्णु की पूजा करें और पीले फूल अर्पित करें और माता लक्ष्मी को सफेद व गुलाबी रंग के फूल अर्पित करें। इसके बाद घी के 9 दीपक जलाकर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा-अर्चना करें।

अक्षय तृतीया के दिन विष्णु सहस्त्रनाम और श्री सूक्त का पाठ अवश्य करना चाहिए। साथ ही पास के किसी धार्मिक स्थल पर पूरे परिवार के साथ दर्शन करने भी अवश्य जाएं। ऐसा करने से आपके जीवन में धन, पद, यश और प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। वहीं जो लोग किसी रोग से काफी लंबे समय से पीड़ित हैं, वे अक्षय तृतीया के दिन रामरक्षा स्तोत्र का पाठ अवश्य करें।

अक्षय तृतीया के दिन पूजा स्थल पर एकाक्षी नारियल को लाल कपड़े में बांधकर रख दें, फिर विधिवत रूप से पूजा अर्चना करें। पूजा करने के बाद नारियल को धन के स्थान जैसे अलमारी या तिजोरी में रख दें। वहीं व्यापारी एकाक्षी नारियल को लाल वस्त्र में बांधकर व्यापारिक स्थल पर मौजूद तिजोरी में ख दें। ऐसा करने से धन धान्य में अच्छी वृद्धि होगी और अटके हुए धन की प्राप्ति होगी।

■ पं. कुलदीप शास्त्री